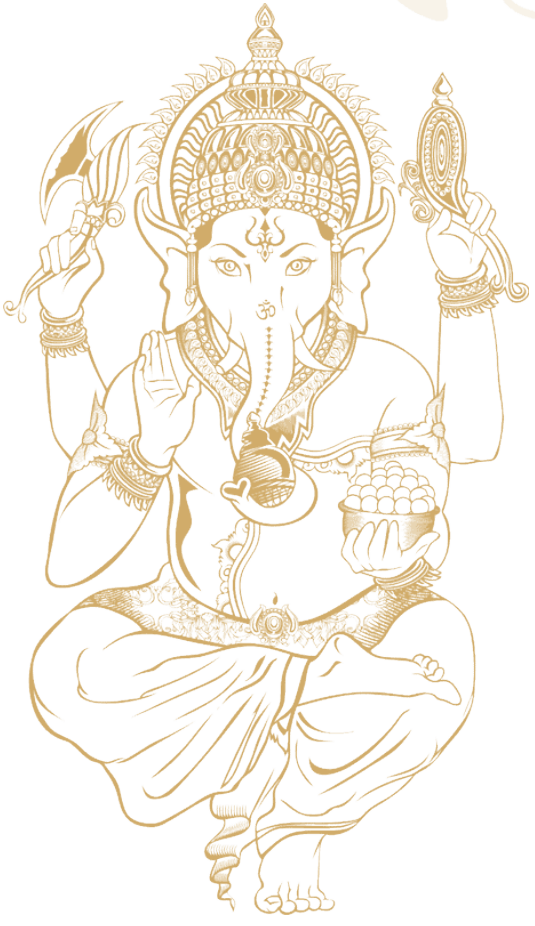

Sonam kumari

04 Oct 2007

05:23 PM

Sitamarhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121747403

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/10/2007**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:23:00 घंटे**
इष्ट	29:13:17 घटी
स्थान	**Sitamarhi**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:36:00 उत्तर
रेखांश	85:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:35:00 घंटे
वेलान्तर	00:11:05 घंटे
साम्पातिक काल	18:26:11 घंटे
सूर्योदय	05:41:41 घंटे
सूर्यास्त	17:31:45 घंटे
दिनमान	11:50:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	16:54:40 कन्या
लग्न के अंश	15:07:35 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शिव
करण	गर
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हिना
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	15:07:35	499:00:07	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			कन्या	16:54:40	00:59:05	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	सम राशि
चंद्र			कर्क	00:15:06	13:12:24	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	स्वराशि
मंगल			मिथु	08:27:26	00:25:26	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध			तुला	12:06:22	00:42:37	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	20:47:06	00:09:11	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	03:11:01	00:43:13	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	शत्रु राशि
शनि			सिंह	09:51:17	00:06:37	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
राहु			कुंभ	12:40:19	00:01:06	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	12:40:19	00:01:06	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	21:47:49	00:02:06	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप	व		मक	25:29:01	00:00:52	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	02:31:33	00:00:51	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	12:02:35	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:02

लग्न-चलित

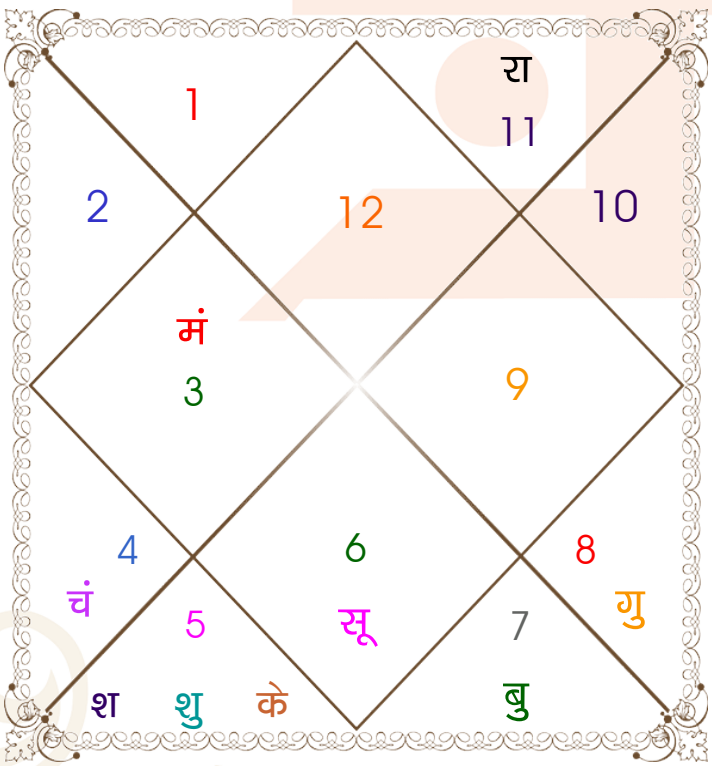

चन्द्र कुंडली

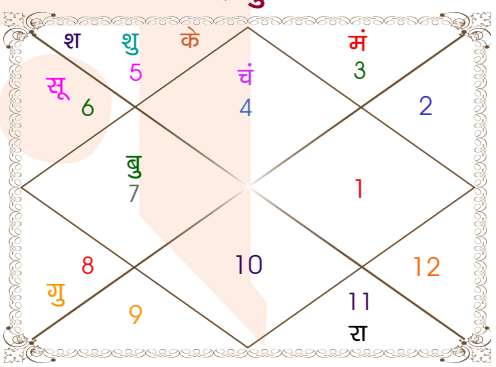

नवमांश कुंडली

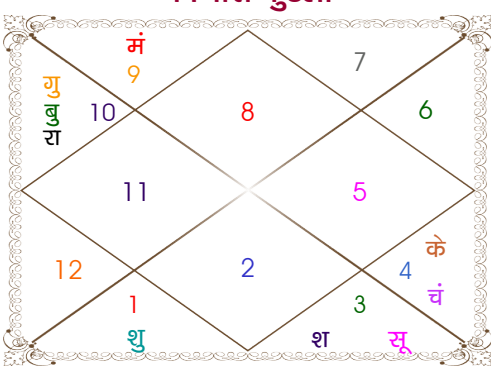

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 8 मास 11 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/10/2007		16/06/2011		16/06/2030		16/06/2047		16/06/2054	
16/06/2011		16/06/2030		16/06/2047		16/06/2054		16/06/2074	
	00/00/0000	शनि	19/06/2014	बुध	11/11/2032	केतु	12/11/2047	शुक्र	15/10/2057
	00/00/0000	बुध	26/02/2017	केतु	08/11/2033	शुक्र	11/01/2049	सूर्य	15/10/2058
	00/00/0000	केतु	07/04/2018	शुक्र	08/09/2036	सूर्य	19/05/2049	चंद्र	15/06/2060
	00/00/0000	शुक्र	06/06/2021	सूर्य	16/07/2037	चंद्र	18/12/2049	मंगल	15/08/2061
	00/00/0000	सूर्य	19/05/2022	चंद्र	15/12/2038	मंगल	16/05/2050	राहु	15/08/2064
	04/10/2007	चंद्र	19/12/2023	मंगल	12/12/2039	राहु	04/06/2051	गुरु	16/04/2067
चंद्र	14/02/2008	मंगल	26/01/2025	राहु	01/07/2042	गुरु	10/05/2052	शनि	16/06/2070
मंगल	20/01/2009	राहु	03/12/2027	गुरु	06/10/2044	शनि	18/06/2053	बुध	15/04/2073
राहु	16/06/2011	गुरु	16/06/2030	शनि	16/06/2047	बुध	16/06/2054	केतु	16/06/2074

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/06/2074		15/06/2080		16/06/2090		15/06/2097		17/06/2115	
15/06/2080		16/06/2090		15/06/2097		17/06/2115		00/00/0000	
सूर्य	03/10/2074	चंद्र	15/04/2081	मंगल	12/11/2090	राहु	27/02/2100	गुरु	04/08/2117
चंद्र	04/04/2075	मंगल	15/11/2081	राहु	30/11/2091	गुरु	23/07/2102	शनि	15/02/2120
मंगल	10/08/2075	राहु	16/05/2083	गुरु	05/11/2092	शनि	29/05/2105	बुध	23/05/2122
राहु	03/07/2076	गुरु	14/09/2084	शनि	15/12/2093	बुध	16/12/2107	केतु	29/04/2123
गुरु	22/04/2077	शनि	16/04/2086	बुध	12/12/2094	केतु	03/01/2109	शुक्र	28/12/2125
शनि	04/04/2078	बुध	15/09/2087	केतु	10/05/2095	शुक्र	04/01/2112	सूर्य	16/10/2126
बुध	08/02/2079	केतु	15/04/2088	शुक्र	09/07/2096	सूर्य	27/11/2112	चंद्र	05/10/2127
केतु	16/06/2079	शुक्र	15/12/2089	सूर्य	14/11/2096	चंद्र	29/05/2114		00/00/0000
शुक्र	15/06/2080	सूर्य	16/06/2090	चंद्र	15/06/2097	मंगल	17/06/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 8 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाती है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करती है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करती है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगी।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर ली तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकती हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगी। परंतु आपको अपनी फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करती रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकती हैं। आप एक प्यारे पति आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगी।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर ली तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगी। आप सर्वथा अपनी मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगी। लेकिन आपके सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रही तो एक सफल गायक कलाकार हो सकती हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकती हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि की महिला हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखती हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करती रही तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगी।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहती हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।